Under CSR Support by ipca | Foundation

RIICO missiongyan

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

संसाधन एवं विकास

Resources and Development



CHAPTER -01 | PART-04

एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. संसाधनों का संरक्षण
2. भारत - मानचित्र



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन संरक्षण

विज्ञान →

गाँधीजी :

प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति

लेकिन, लालच पूर्ति

एक व्यक्ति द्वारा

बहुत अधिक उत्पादन

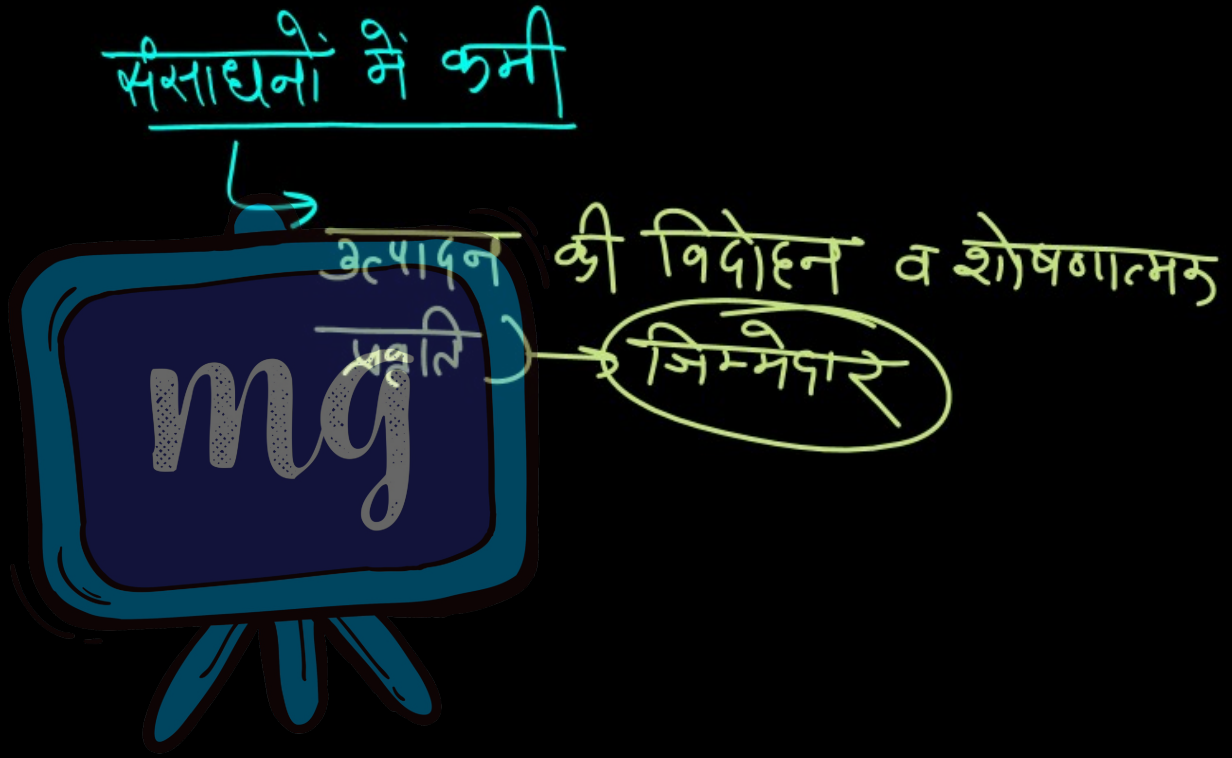
बहुत से व्यक्तियों द्वारा उत्पादन

पेट भरने हेतु

पेटी भरने हेतु

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संसाधनों का संरक्षण

- संसाधन किसी भी तरह के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- परंतु, संसाधनों का विवेकहीन उपभोग और अति उपयोग के कारण कई सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

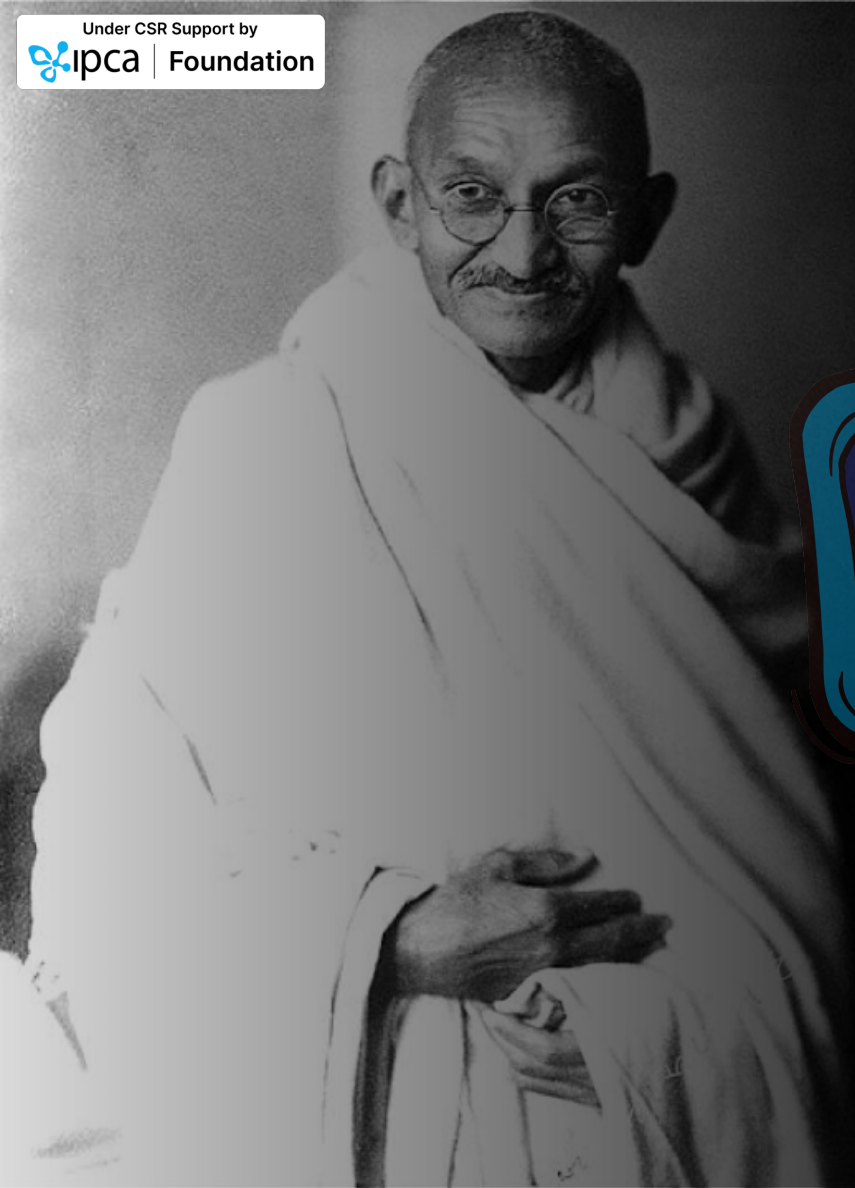
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन समस्याओं से बचाव के लिए विभिन्न स्तरों पर संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।
- भूतकाल से ही संसाधनों का संरक्षण बहुत से नेताओं और चिंतकों के लिए चिंता का विषय रहा है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जैसे— गांधी जी ने संसाधनों के संरक्षण पर अपनी चिंता इन शब्दों में व्यक्त की है – "हमारे पास हर व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ति के लिए बहुत कुछ है, लेकिन किसी के लालच की संतुष्टि के लिए नहीं।" अर्थात् **हमारे पास पेट भरने के लिए बहुत है लेकिन पेटी भरने के लिए नहीं।**

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- उनके अनुसार विश्व स्तर पर संसाधन ह्रास के लिए लालची और स्वार्थी व्यक्ति तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषणात्मक प्रवृत्ति जिम्मेदार है।
- वे अत्यधिक उत्पादन के विरुद्ध थे और इसके स्थान पर अधिक बड़े जनसमुदाय द्वारा उत्पादन के पक्षधर थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

H.W.

Q.① संसाधन संरक्षण के संबंध में गाँधीजी के विचार लिखिए।

Q.② संसाधन संरक्षण के संबंध में गाँधीजी के अनुसार सत्य है—

(A) एक व्यक्ति द्वारा अधिक उत्पादन

(B) शोषणात्मक प्रवृत्ति से उत्पादन

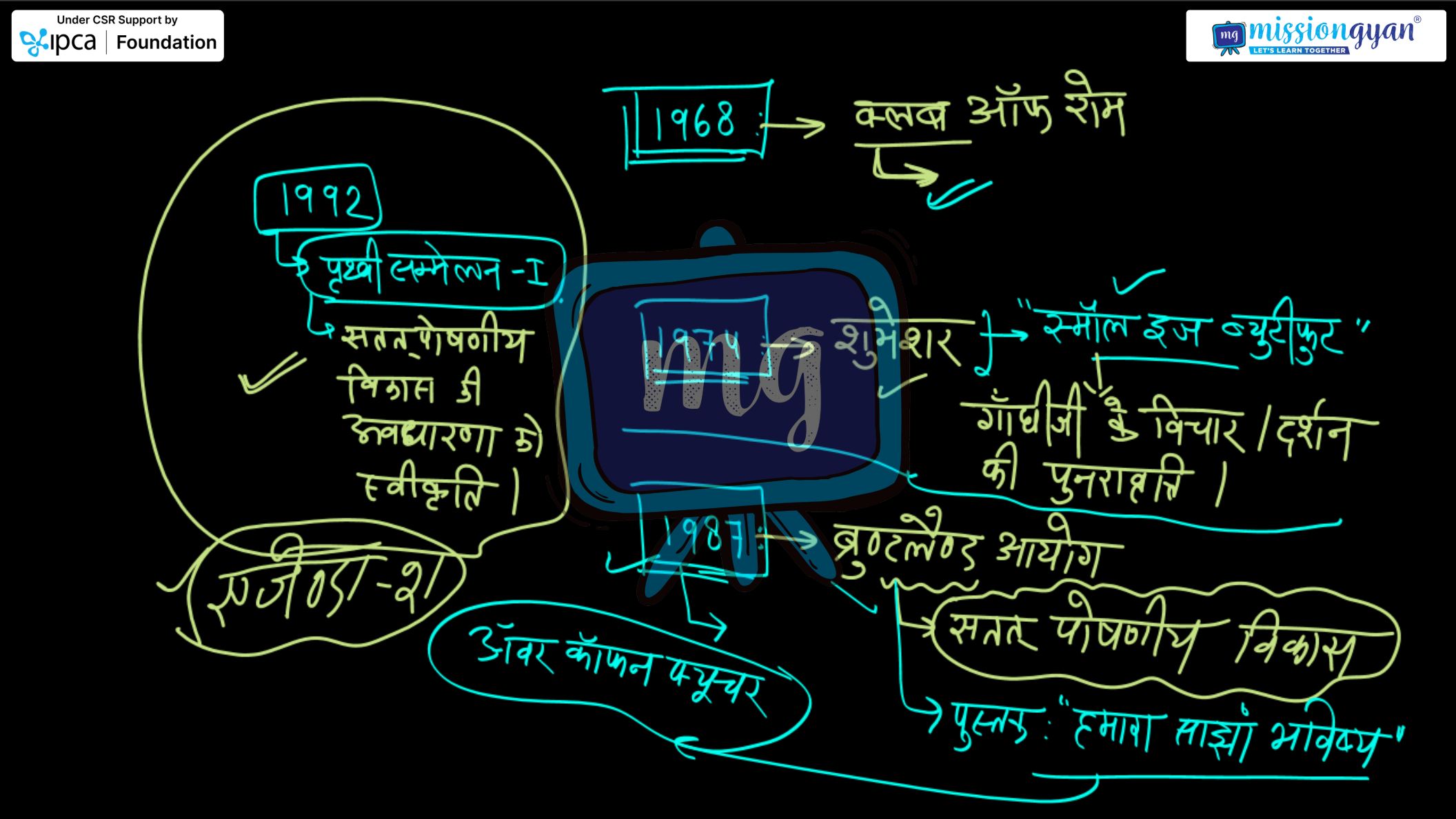
(C) बड़े जन समुदाय द्वारा उत्पादन

(D) उपर्युक्त सभी

(C)

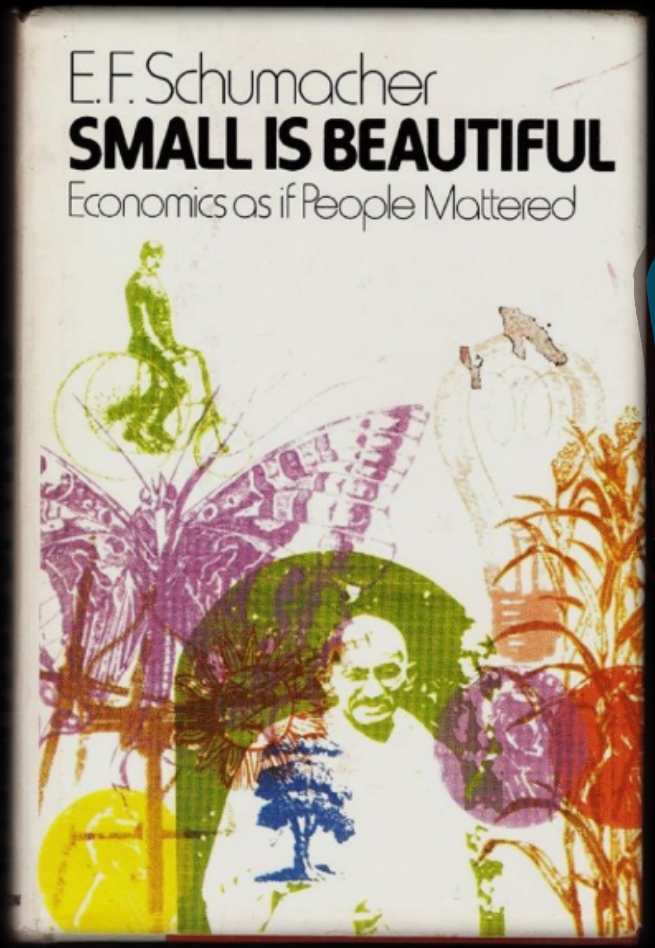
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित तरीके से संसाधन-संरक्षण की वकालत 1968 में "क्लब ऑफ रोम" ने की।
- तत्पश्चात् 1974 में शुमेसर ने अपनी पुस्तक "स्माल इज ब्यूटीफुल" में इस विषय पर गांधी जी के दर्शन की एक बार फिर से पुनरावृत्ति की है।
- 1987 में "ब्रुन्ड्टलैंड आयोग" रिपोर्ट द्वारा वैश्विक स्तर पर संसाधन संरक्षण में मूलाधार योगदान किया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इस रिपोर्ट ने "सतत् पोषणीय विकास" (Sustainable Development) की संकल्पना प्रस्तुत की और संसाधन-संरक्षण की वकालत की।
- यह रिपोर्ट बाद में "हमारा सांझा भविष्य" (Our Common Future) शीर्षक से पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुई।
- इस संदर्भ में एक और महत्त्वपूर्ण योगदान रियो डी जेनेरो, ब्राजील में 1992 में आयोजित पृथ्वी सम्मेलन द्वारा किया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पुदुचेरी

केन्द्र शासित प्रदेश

जिलें

1. माहे
2. कराइकल
3. यानम
5. पुदुचेरी..



श्रीविजय पुरम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

